पाठ योजना (गद्य)

दिनांक : _.

कक्षा : सातवीं

विषय : हिंदी

प्रकरण : खेल फुटबॉल का

सामान्य उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों में सुनने ,बोलने,पढ़ने और लिखने की योग्यता का विकास करना|

२) विद्यार्थियों में शुद्ध उच्चारण की योग्यता का विकास करना |

विशिष्ट उद्देश्य :

१) विद्यार्थी प्रस्तुत पाठ को पूरे मनोयोग के साथ सुनकर और पढ़कर अर्थ ग्रहण कर सकें|

२) रुआंसी ,व्यायाम,आयताकार,आदेश-निर्देश जैसे शब्दों को विद्यार्थी के शब्द भंडार में सम्मलित करना |

सहायक सामग्री:खेल से सम्बंधित सामग्री ,फुटबॉल खेल के कुछ चित्र आदि |

प्रस्तावना:

प्रकरण की घोषणा से पूर्व अध्यापक विद्यार्थियों को प्रस्तावित करने हेतु प्रकरण से सम्बंधित वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से दिखाकर निम्नलिखित प्रश्न पूछेगा -

प्रश्न १) बच्चो क्या आपको खेल खेलना अच्छा लगता है?

उत्तर) हाँ (अपेक्षित उत्तर)

प्रश्न २) खेल खेलने के क्या लाभ है?

उत्तर) हमारा स्वास्थ्य ठीक रहता है|

प्रश्न ३)इस सामग्री का सम्बन्ध किस खेल से है ?(बैट बॉल दिखते हुए)

उत्तर) क्रिकेट

प्रशण४)इस सामग्री का सम्बन्ध किस खेल से है?(हॉकी स्टिक दिखते हुए)

उत्तर) हॉकी

प्रशण५)और इसका सम्बन्ध किस से है?(टी टी बैट और बॉल दिखते हुए)

उत्तर) टेबल टेनिस

प्रश्न ६)इस सामग्री को पेहचानए|(फुटबॉल दिखते हुए)

उत्तर)फुटबॉल

प्रश्न ७)बच्चो क्या आपको फुटबॉल के खेल के नियमों की जानकारी है ?

उत्तर)बच्चे उत्तर देने में समर्थ हो भी सकते हैं और नहीं भी|

उद्देश्य कथन:अध्यापक प्रकरण की घोषणा करते हुए श्वेत पट पर उसका शीर्षक लिखेगा|

प्रस्तुतीकरण:

अध्यापक विद्यार्थियों से पुस्तक खोलकर सही पृष्ठ निकलने को कहेगा|अब अध्यापक प्रस्तुत गद्यांश का उच्चित स्वर,लय,ताल ,आरोह अवरोह और हाव भाव को ध्यान में रखते हुए आदर्श वाचन करेगा |अब अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी को प्रस्तुत गद्यांश का अनुकरण वाचन करने को कहेगा ताकि अधिकतर बच्चे सही उच्चारण करने में सक्षम हो|इस प्रक्रिया के चलते अध्यापक ऐसे शब्दों को रेखांकित करेगा जिसे पढ़ने में उन्हें कठिनाई हो रही है |तदोपरांत अध्यापक उन शब्दों को श्वेत पट पर लिखकर विद्यार्थियों से पढ़वायेगा|इस क्रिया के उपरांत अध्यापक कठिन शब्दों का अर्थ समझाने हेतु उनके सरल वाक्य पहले स्वयं और फिर विद्यार्थियों से बनवाएगा |कठिन शब्दों का अर्थ समझाने के लिए वह प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं को दिखाकर या अभिनय या पर्यायवाची शब्दों द्वारा भी समझा सकता है|

* रुआंसी :भाई के डांटने पर रूपा रुआंसी होगयी|

* व्यायाम :व्यायाम से हमारा शरीर मज़बूत हो जाता है|

* आयताकार :हमारे विद्यालय का सभाघर आयताकार है|

* आदेश-निर्देश:जीवन में सफल होना है तो माता-पिता के आदेश-निर्देश का पालन करना सीख लो|

स्वाध्याय हेतु अध्यापक विद्यार्थियों को प्रस्तुत गद्यांश का मौन वाचन करने को कहेगा|तदोपरांत विद्यार्थियों को प्रस्तुत पाठ कहाँ तक समझ में आया है इसके लिए अध्यापक निम्नलिखित प्रश्न पूछेगा-

प्रशण१:सौरभ कौनसा मैच देख रहा था?

प्रश्न २: दीपा क्यों रुआंसी होगयी?

प्रशण३:फुटबॉल खेल के मैदान किस आकार का होता है?

मूल्यांकन:

अध्यापक विद्यार्थियों को पुनः वाचन करने के लिए कहेगा|वह बच्चों को दो समूह में विभक्त करके पाठ से सम्बंधित चित्र दिखाकर प्रत्येक समूह से एक -एक विद्यार्थी को चित्र पहचानने को कहेगा और उससे सम्बंधित पंक्ति को पुस्तक से पढ़ने को कहेगा |इस प्रकार प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी इस शिक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत रहेगी|

गृहकार्य : अध्यापक बच्चों को अपने मनचाहे खेल के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखकर लाने को कहेगा|.